Roll No. ....
Signature of Invigilator ………………………

Paper Code
MD-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

<u>Examination December – 2018</u>

M. A. Philosophy (Semester: Third)

Philosophy

वेदान्त–मीमांसा–3

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. भिन्न–भिन्न उपासना प्रकरणों में वर्णित परमात्मा के गुणों का अन्यत्र उपसंहार किया जा सकता है या नहीं, प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
2. 'स्वप्नावस्था में होने वाले सृष्टि का कर्त्ता जीवात्मा है', प्रस्तुत तथ्य को प्रमाणपूर्वक प्रत्याख्यान (परिहार) करें।
3. वेदान्त दर्शनानुसार ब्रह्मविद्या एक स्वतन्त्र विद्या है या कर्मकाण्ड का अङ्गभूत हैं। सविस्तार उल्लेख करें।
4. वेदान्त दर्शनानुसार जीवात्मा के देहान्तर की प्राप्ति के क्रम में वर्णित मार्गों का उल्लेख करें।
5. मीमांसा दर्शनानुसार अर्थवाद की विवेचना करें।

खण्ड–ब

(लघु–उत्तरोय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. जीवात्माओं के कर्म–फल प्रदाता परमात्मा है – प्रस्तुत तथ्य की पुष्टि करें।
2. वेदान्त दर्शनानुसार ब्रह्म की प्राप्ति के क्या साधन है? संक्षिप्त वर्णन करें।
3. मीमांसानुसार विधि की सप्रमाण व्याख्या करें।
4. "यावदधिकारमवस्थितिराधिकारिकाणाम्" प्रस्तुत सूत्र की व्याख्या करें।
5. गृहस्थ के लिए आश्रमान्तर कर्म किस प्रकार से अनुष्ठेय हैं?
6. "उभयव्यपदेशात्त्वहिकुण्डलवत्" प्रस्तुत सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

खण्ड–स

(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. प्रस्थान–त्रयी किसे कहते है ?
2. "उपनिषद" शब्द का क्या अर्थ है ?
3. वेदान्तदर्शन कितने प्रमाणों को स्वीकार करता है ?
4. वेदान्तदर्शन का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?
5. वेदान्तदर्शन में कितने प्रकार की सत्ता का वर्णन है ?

--------------x--------------